

प्रीलमिस फैक्ट्स: 02 जुलाई, 2020

- [कोआला](#)
- ['सट्राइपड हेयरसट्रेक' और 'इलूसवि परसि'](#)
- [उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल](#)
- [ज़ीलैंडिया](#)

कोआला

Koala

ऑस्ट्रेलिया में एक वर्ष तक चली एक संसदीय जाँच प्रक्रिया में यह बताया गया कि यदि ऑस्ट्रेलियाई सरकार कोआला के नविस स्थान की रक्षा करने के लिये तुरंत हस्तक्षेप नहीं करती है तो यहाँ के न्यू साउथ वेल्स (New South Wales- NSW) राज्य से वर्ष 2050 तक **कोआला (Koala)** की प्रजाति



विलुप्त हो सकती है। //

प्रमुख बद्धि:

- पछिले कई दशकों में ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य न्यू साउथ वेल्स में कृषि, शहरी विकास, खनन एवं वानिकी के लिये भूमि समाशोधन वन्यजीवों के लिये नविस स्थान के वखिंडन एवं नुकसान का सबसे बड़ा कारक बन कर उभरा है।
- वर्ष 2020 की शुरुआत में लंबे समय तक सूखा, बाढ़ भी वन्यजीवों के लिये वनिाशकारी साबति हुआ है जो न्यू साउथ वेल्स में उनके आवास के एक चौथाई हसिसे को नष्ट कर चुका है।

कोआला (Koala):

- कोआला एक प्रतषिठति ऑस्ट्रेलियाई जीव है। आमतौर पर [कोआला](#) को 'भालू' कहा जाता है।
- यह पूरवी ऑस्ट्रेलिया के तटीय क्षेत्रों में वृक्षों पर नविस करने वाला मारसूपयिल (Marsupial) है।
- इसका वैज्ञानिक नाम 'फास्कोलार्क्टोस सनिरेउस' (Phascolarctos Cinereus) है।
- यह **शाकाहारी** (Herbivore) होता है।
- यह प्रतरिकषा प्रणाली के बनिा ही गर्भावस्था के 34-36 दिनों के बाद जन्म लेता है और इसके बाद लगभग 6 माह तक पेट के पाउच/थैले में इसका विकास होता है।

- इसे [IUCN](#) की रेड डेटा बुक के अंतर्गत **सुभेद्य (Vulnerable)** प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- नवासि स्थान की कमी और आहार की कमी के कारण इनकी जनसंख्या में तेज़ी से कमी आई है।
- इनका मुख्य आहार यूकेलपिटस की पत्तियाँ हैं। उल्लेखनीय है कि वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड बढ़ने से यूकेलपिटस के पत्तों की पौष्टिक गुणवत्ता कम हो रही है और ये यूकेलपिटस के पत्ते लंबे समय तक सूखे के कारण जंगल में आग लगने का कारण भी बनते हैं।

‘स्ट्राइप्ड हेयरस्ट्रेक’ और ‘इलूसवि प्रसि’

‘Striped Hairstreak’ and ‘Elusive Prince’

हाल ही में भारत की ततिलियों की सूची में दो अन्य प्रजातियाँ [स्ट्राइप्ड हेयरस्ट्रेक (Striped Hairstreak) और इलूसवि प्रसि (Elusive Prince)] को जोड़ा गया।



प्रमुख बटु:

- लेपिडोप्टेरिस्टों (Lepidopterists) ने भारत में ‘स्ट्राइप्ड हेयरस्ट्रेक’ को भारत-म्यांमार सीमा पर स्थिति वजियनगर से जबकि ‘इलूसवि प्रसि’ को नामदफा नेशनल पार्क (Namdapha National Park) की परधि में मियाओ (Miao) में खोजा था।
 - लेपिडोप्टेरिस्ट एक कीटवैज्ञानी होता है जो ततिलियों एवं पतंगों का संग्रह व अध्ययन करता है।
- जबकि ‘स्ट्राइप्ड हेयरस्ट्रेक’ (Striped Hairstreak) को सबसे पहले चीन के हैनान प्रांत में जापानी कीटवैज्ञानिकों द्वारा रिकॉर्ड किया गया था।
- वहीं ‘इलूसवि प्रसि’ मूल रूप से पूर्वी एशियाई देश ‘वयितनाम’ से संबंधित है और यह पूर्वी हिमालय में पाई जाने वाली ततिली की एक प्रजाति ‘ब्लैक प्रसि’ के समान है।
 - भारत में ततिली की दो प्रजातियाँ ‘ब्लैक प्रसि’ एवं ‘ब्राउन प्रसि’ रोहाना जीनस (Rohana Genus) से संबंधित हैं।
 - ‘इलूसवि प्रसि’ (Elusive Prince) का वैज्ञानिक नाम ‘रोहाना टोनकिनिया’ (Rohana Tonkiniana) है जिसका नाम उत्तरी वयितनाम में ‘टोनकनि’ के नाम पर रखा गया था जहाँ इसे पहली बार खोजा गया था।
 - माना जाता है कि भूटान में ‘इलूसवि प्रसि’ का अस्तित्व था कति वहाँ मौजूद इनके नमूनों के अध्ययन नरिणायक नहीं थे।
- भारत की ततिलियों की सूची में जोड़ी गई दो ततिली प्रजातियों से संबंधित वरिण को ‘बायनोट्स जर्नल’ (Bionotes Journal) के अप्रैल-जून संस्करण में प्रकाशित किया गया है।
- भारत में अब ततिली की 1327 प्रजातियाँ हैं जो वर्ष 2015 में 1318 थीं।

उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल

Udyam Registration Portal

1 जुलाई, 2020 को भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (Union Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises) ने ‘उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल’ (Udyam Registration Portal) का शुभारंभ और संचालन किया।

- उल्लेखनीय है कि नई पंजीकरण प्रक्रिया से [ईज ऑफ डूइंग बिजनेस](#) को बढ़ावा देने तथा समय एवं लागत के कम होने के उम्मीद जताई गई है।

MSME Family is committed to Make Atmanirbhar Bharat...
Entrepreneurs!
Just take few simple steps to make an Enterprise of your dreams...

Udyam Registration

Welcome to Register here

For New Entrepreneurs who are not Registered yet as MSME

You can Re-Register here

For those already having registration as EM-II or UAM

Our Small Hands to Make you LARGE

प्रमुख बढि:

- MSME उद्यमों के वर्गीकरण एवं पंजीकरण की एक नई प्रक्रिया 1 जुलाई, 2020 को 'उद्यम रजिस्ट्रेशन' के नाम से शुरू की गई।
- नई MSME पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन, पेपरलेस एवं स्व-घोषणा पर आधारित है। MSME का पंजीकरण कराने के लिये पोर्टल पर कोई दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है।
- MSME मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, 'आधार' के अतिरिक्त अन्य किसी प्रमाण पत्र के बिना स्व-घोषणा के आधार पर 'उद्यम पंजीकरण' ऑनलाइन दायर किया जा सकता है।
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने कहा यह पोर्टल उद्यमियों का कदम-कदम पर मार्गदर्शन करता है कि उन्हें क्या जानना चाहिये और क्या करना चाहिये।
- पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उद्यमी को एक 'उद्यम रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र' जारी किया जाएगा।
 - 'उद्यम रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र' में एक क्यूआर कोड होगा जिससे पोर्टल के वेब पेज पर उद्यम से संबंधित विवरण को प्राप्त किया जा सकता है। इससे पंजीकरण के पुनर्नवीनीकरण की कोई आवश्यकता नहीं होगी।
- उद्यमों के नविश एवं टर्नओवर से संबंधित पैन (PAN) एवं जीएसटी (GST) आधारित विवरण सरकारी डेटाबेस से स्वचालित रूप से प्राप्त किया जाएगा।
- MSME मंत्रालय की ऑनलाइन प्रणाली पूरी तरह से आयकर एवं GSTIN प्रणालियों के साथ एकीकृत होगी।

MSME का नया वर्गीकरण:

- सूक्ष्म उद्यम (Micro Enterprise): इसके उद्यम में संयंत्र एवं मशीनरी या उपकरण में नविश एक करोड़ रुपए से अधिक नहीं होता है और कारोबार पाँच करोड़ रुपए से अधिक नहीं होता है।
- छोटा उद्यम (Small Enterprise): इसके उद्यम में संयंत्र एवं मशीनरी या उपकरण में नविश 10 करोड़ रुपए से अधिक नहीं होता है और कारोबार 50 करोड़ रुपए से अधिक नहीं होता है।
- मध्यम उद्यम (Medium Enterprise): इस उद्यम में संयंत्र एवं मशीनरी या उपकरण में नविश पचास करोड़ रुपए से अधिक नहीं होता है और कारोबार 250 करोड़ रुपए से अधिक नहीं होता है।

ज़ीलैंडिया

Zealandia

हाल ही में भू-वैज्ञानिकों ने ज़ीलैंडिया (Zealandia) महाद्वीप का नया मानचित्र जारी किया।



प्रमुख बदि:

- ज़ीलैंडिया (इसे माओरी भाषा में इसे 'ते रडि-ए-मोई' (Te Riu-a-Māui) कहा जाता है) ऑस्ट्रेलिया के पूर्व में 2 मिलियन वर्ग मील (5 मिलियन वर्ग किलोमीटर) का एक महाद्वीप है जो आधुनिक न्यूज़ीलैंड के नीचे है।
- वैज्ञानिकों ने 1990 के दशक में विशाल जल नकियाय के नीचे ठोस स्थल की खोज की थी जसि वर्ष 2017 में औपचारिक रूप से 'महाद्वीप' का दर्जा दिया गया।
- यह पृथ्वी के क्रस्ट के डूबे हुए टुकड़ों का एक समूह है जो लगभग 85 मिलियन वर्ष पहले प्राचीन 'गोंडवाना लैंड' से अलग हो गया था।
 - गोंडवाना का निर्माण तब हुआ था जब प्राचीन महाद्वीपीय भाग 'पैजिया' दो टुकड़ों में विभाजित हुआ था।
 - गोंडवाना के निर्माण के बाद भी विखंडित भाग की सतह लगातार पुनर्व्यवस्थाति होती रही। ज़ीलैंडिया ऐसी ही एक पुनर्व्यवस्थाति संरचना है।
- नए मानचित्र में ज़ीलैंडिया की बेथीमेट्री (Bathymetry) (समुद्र तल का आकार) के साथ-साथ इसके विवर्तनिक इतिहास को भी दिखाया गया है जसिमें दिखाया गया है कि कैसे ज्वालामुखी एवं विवर्तनिक गर्ता ने लाखों वर्षों में इस महाद्वीप को आकार दिया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 तक ज़ीलैंडिया को 'सूक्ष्म महाद्वीप' (मेडागास्कर द्वीप की तरह) के रूप में वर्गीकृत किया गया था किंतु इसकी सीमाओं के परिभाषित होने तथा एक मिलियन वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में अवस्थाति होने एवं समुद्री क्रस्ट के ऊपर निर्मित होने के कारण वर्ष 2017 में इसे महाद्वीप की संज्ञा दी गई।